आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 164 | उज्जैन, बुधवार 07 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

अपराधों पर नियंत्रण के लिए सख्त एक्शन लें पुलिस अधिकारी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सामान्य अपराधों और महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के मामलों में सख्त एक्शन लिया जाए। जो पुलिस अधिकारी प्रभावी कार्रवाई नहीं करेंगे, वे अधिकारी मैदान में नहीं दिखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा केंद्रों पर विशेष सावधानी की आवश्यकता है। स्कूल और कॉलेज के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी शिक्षण केंद्र स्तर पर अराजक तत्वों को रोकने की पुख्ता कार्रवाई के लिये नजदीकी थाने में तत्काल सूचना दें। छेड़खानी करने वाले युवकों को शिक्षण केंद्र के स्तर पर भी बिल्कुल नहीं बख्शा जाएं। पुलिस द्वारा ऐसे दर्ज मामलों और

निरीक्षण के उपरांत सख्त कार्रवाई की जाए। सायबर अपराधों में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर एक्शन लिया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश के पुलिस अधीक्षकों को भी निर्देश दिए और की जा रही कार्रवाई का नियमित प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा जिलों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में इलेक्शन गतिविधियों के नियंत्रण संबंधी जानकारी भी प्राप्त की मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नए आपराधिक कानून के संबंध में क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपराध नियंत्रण से संबंधित प्रेजेंटेशन दिया।

अन्य निर्देश-प्रदेश में विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर छात्राओं और सार्वजनिक स्थान पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध घटित करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो।

जाति जनगणना पर मल्लिकार्जुन खरगे का पीएम मोदी को पत्र, कांग्रेस अध्यक्ष ने क्या की मांग?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने हाल ही में जाति जनगणना कराने की घोषणा की थी। ऐसे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तेलंगाना मॉडल पर आधारित कास्ट सर्वे करवाने की अपील की है। उनका कहना है कि आरक्षण से 50 प्रतिशत की सीमा हटाने के साथ-साथ अनुच्छेद 15(5) के तहत एससीसीटी और ओबीसी समुदायों को निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण दिया जाए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखते हुए जाति जनगणना पर सभी राजनीतिक पार्टियों से सलाह मशवरा करने की मांग की है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने पत्र में लिखा कि, जाति जनगणना को किसी से विभाजनकारी नहीं माना जा सकता है। इस तरह की कोई भी प्रक्रिया हमारे समाज के पिछड़े, उत्पीड़ित और हाशिए पर पड़े वर्गों को उनके अधिकार देता है।

बीते दिन पीएम मोदी को लिखे इस पत्र में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- हाल ही में हुए पहलगाम के कायराना हमले में पूरा देश एकजुट हो गया था। ठीक उसी तरह हमारा महान राष्ट्र और उसमें रहने वाले नेक दिल लोग एक साथ आकर इसका समर्थन करेंगे।

मणिपुर में सुरक्षाबलों का कड़ा एक्शन, प्रतिबंधित संगठनों के 11 उग्रवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई जारी है। अब सुरक्षाबलों ने उग्रवादियों के खिलाफ एक तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान में प्रतिबंधित संगठनों के 11 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि राज्य में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान चलाया और इंफाल पूर्वी जिले के केराओ वांगखेम और आसपास के इलाकों में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप), पीएलए और केसीपी (अपुनबा) के 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों ने अभियान से कई राइफलें, गोला-बारूद, मांग पत्र, आधार कार्ड, बम, युद्ध उपकरण और बहुत कुछ सहित हथियारों का जखीरा बरामद किया।

आरक्षण रेलगाड़ी के डिब्बे जैसा है, जो लोग इसमें चढ़ गए..., सुप्रीम कोर्ट के जज की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जाति आधारित आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जज की अहम टिप्पणी सामने आई है। जज ने कहा कि रिजर्वेशन रेलगाड़ी के डिब्बे जैसा हो गया है और जो लोग इस डिब्बे में चढ़ते हैं, वे दूसरों को इसमें नहीं घुसने देना चाहते।

ओबीसी आरक्षण को लेकर की टिप्पणी- सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं।

बता दें कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव आखिरी बार 2016-2017 में हुए थे। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों के लिए कोटा को लेकर कानूनी लड़ाई में पदों पर देरी का मुख्य कारण रहा था। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत कोटा लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के अध्यादेश को रद कर दिया।

याचिकाकर्ता ने क्या दी थी दलील- याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने दलील दी कि राज्य के बंठिया आयोग ने स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण दिया, बिना यह पता लगाए कि वे राजनीतिक रूप से पिछड़े हैं या नहीं।

उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक पिछड़ापन सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन से अलग है और ओबीसी को स्वचालित रूप से राजनीतिक रूप से पिछड़ा नहीं माना जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा कदम, जजों की नियुक्ति से लेकर संपत्ति तक, सबकुछ हुआ सार्वजनिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला लिया है। सर्वोच्च अदालत के जजों ने सोमवार को अपनी संपत्ति का ब्यौरा पेश किया। जजों की संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों को सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, जिससे यह सभी दस्तावेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहें।

सुप्रीम कोर्ट ने दी जानकारी- सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि 1 अप्रैल 2025 को भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने सुनिश्चित किया था कि सभी जजों की संपत्ति सार्वजनिक की जाएगी। इसे वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। अन्य जजों की संपत्ति से जुड़ी जानकारियां भी अपलोड की जा रही हैं।÷सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को भी सार्वजनिक करने का फैसला किया है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति कैसे होती है, सर्वोच्च न्यायालय ने इसे भी पब्लिक डोमेन में रखने की घोषणा की है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि हाई कोर्ट कॉलेजियम सिस्टम कैसे काम करता है? जजों की नियुक्ति के संबंध में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों क्या इनपुट देती हैं और सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम सिस्टम कैसे काम करता है? यह सभी चीजें अब आम जनता की जानकारी में रहेंगी। 9 नवंबर, 2022 से 5 मई, 2025 की अवधि के दौरान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्तियों के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों को सार्वजनिक किया जाएगा।

PAK की उड़ेगी नींद! आ रहा है INS तमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान युद्ध के खौफ में है। पाकिस्तान को हर समय यह डर सताता रहता है कि भारत उस पर कभी भी हमला कर सकता है। पाकिस्तान की नेवी ने समुद्री रास्ते से पूरे मुल्क की घेराबंदी कर रखी है। पाकिस्तान युद्ध में भारत से जीतने के ख्वाब देख रहा है, लेकिन पाकिस्तान नौसेना को बार फिर मुंह की खानी पड़ सकती है, क्योंकि भारतीय नौसेना के बेड़े में मल्टी रोल स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट तमाल की एंट्री होने जा रही है। रूस में नौसेना के क्रू को तमाल का इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

पाकिस्तान पर एक्शन की तैयारी? NSA अजीत डोभाल ने पीएम मोदी से दूसरी बार की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी जारी है। इस बीच एनएसए अजीत डोभाल पीएम मोदी से मिलने पहुंचे। प्रधानमंत्री के आवास पर ये मुलाकात हुई है।

केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की रणनीति तैयार करने में जुटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस हमले के बाद से लगातार उच्च-स्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी है। पिछले 24 घंटों में यह दूसरी बार है जब प्रधानमंत्री ने अजीत डोभाल से मुलाकात की। यह मुलाकात राज्य सरकारों द्वारा मॉक ड्रिल आयोजित करने से एक दिन पहले हुई है।

पिछले कुछ दिनों में नरेंद्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एनएसए डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और सेना, नौसेना और वायु सेना प्रमुखों के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें की हैं, जिससे लश्कर आतंकी समूह के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की चर्चा तेज हो गई है।

पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री ने डोभाल और जनरल चौहान से मुलाकात की और सशस्त्र बलों को भारत की सैन्य प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय पर निर्णय लेने की पूरी आजादी दी।

मॉक ड्रिल को लेकर केंद्रीय गृह सचिव की बैठक खत्म-देशभर में 7 मई को प्रभावी नागरिक सुरक्षा के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन द्वारा दिल्ली में बुलाई गई बैठक संपन्न हुई। पिछली बार ऐसी ड्रिल 1971 में आयोजित की गई थी, जिस साल भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था।

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हमला किया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। 2019 के पुलवामा हमले के बाद भारत में ये सबसे भयानक आतंकवादी घटना थी, इस आतंकवादी हमले में 40 सैनिक मारे गए थे।

अपने ही लोगों पर होती है बमबारी, यहां की व्यवस्था, पाक सरकार पर ही बरसे मौलवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े फैसले लिए हैं। भारत के एक्शन से पाकिस्तान बिलबिला उठा है। भारत ने द्वारा सिंधु समझौते को निलंबित करने के बाद पाकिस्तान ने गिदड़ भभकी देनी शुरू कर दी।

पाकिस्तान की स्थिति यह है कि उसके कई नेता और पीएम शहबाद के मंत्रियों ने को डर है भारत हमला जरूर करेगा। इस बीच इस्लामाबाद की लाल मस्जिद के मौलवी अब्दुल अजीज गाजी ने पाकिस्तान की ही सरकार पर निशाना साधा है। बता दें कि मौलवी अब्दुल अजीज पहले भी अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहे हैं।

पाकिस्तान पर ही बरसे मौलवी अब्दुल अजीज- लाल मस्जिद के मौलवी अब्दुल अजीज गाजी ने पाकिस्तान सरकार पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि भारत के साथ कोई भी संघर्ष इस्लामी युद्ध नहीं होगा। मौलवी ने पाकिस्तान सरकार की आलोचना करते हुए इसे क्रूर, बेकार व्यवस्था कहा है।

सोशल मीडिया पर सामने आया वीडियो- दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो में अब्दुल अजीज गाजी को अपने दर्शकों से यह पूछते हुए सुना जा सकता है कि क्या वे भारत के साथ युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान के साथ खड़े होंगे। उनके सवाल पर अप्रत्याशित चुप्पी छा गई।

जब भीड़ की ओर से कोई बड़ी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई तो उन्होंने कहा कि आप में से काफी कम लोगों ने हाथ उठाया। इसका मतलब है कि अब बहुत से लोग जागरूक हो गए हैं। बात यह है कि पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध इस्लामी युद्ध नहीं है। मौलाना अब्दुल अजीज गाजी ने पाकिस्तानी सेना की निंदा करते हुए उस पर व्यापक दमन का आरोप लगाया है।

पाकिस्तान में बढ़ रहा अत्याचार- अब्दुल अजीज- इसके साथ ही दावा किया कि पाकिस्तान में अधिकारी और अधिक दमनकारी हो गए हैं - यह लाल मस्जिद से जुड़े किसी व्यक्ति के लिए एक साहसिक और विवादास्पद कदम है, जो कभी कट्टरपंथी आह्वानों का पर्याय हुआ करता था। आज पाकिस्तान में कुफ्र की व्यवस्था है, अत्याचारी व्यवस्था है। यह भारत से भी बदतर है। भारत में उतना अत्याचार नहीं है, जितना पाकिस्तान में है

वहीं, 2007 में लाल मस्जिद की घेराबंदी का जिक्र करते हुए अब्दुल अजीज गाजी ने कहा कि क्या लाल मस्जिद त्रासदी भारत में हुई थी? क्या भारत अपने ही नागरिकों पर बमबारी करता है? क्या भारत में लोग पाकिस्तान की तरह गायब हो रहे हैं? मौलवी ने वजीरिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में अत्याचारों का भी हवाला दिया और पाकिस्तान सरकार पर अपने ही लोगों पर बमबारी करने का आरोप लगाया।

अमेरिकाः सैन डिएगो के पास नाव पलटने से 3 की मौत और 9 लापता, दो भारतीय भी शामिल; विदेश मंत्रालय ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के सैन डिएगो तट के पास एक बड़ा हादसा हो गया है। बताया जा रहा है सैन डिएगो तट के पास एक नाव पलट गई, नाव पलटने से कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं। इस हादसे में 3 लोगों की मौत 4 घायल और 9 लापता बताए जा रहे हैं । वहीं 9 लापता लोगों में 2 भारतीय बच्चे भी शामिल हैं।

यह घटना सोमवार की सुबह हुई जब कैलिफोर्निया तट के पास एक छोटी नाव पलट गई। प्रभावित लोगों में एक भारतीय परिवार शामिल है, जिसके माता-पिता का वर्तमान में स्क्रिप्स मेमोरियल अस्पताल ला जोला में इलाज चल रहा है, जबकि उनके बच्चे लापता हैं।

अधिकारियों का कहना है कि नाव सुबह 6:30 बजे के आसपास समुद्र में पलट गई, जो सैन डिएगो शहर से लगभग 15 मील दूर है। इलाके में पैदल यात्रियों ने इस घटना को देखा, जिसमें एक डॉक्टर ने समुद्र तट पर सीपीआर करते हुए देखने के बाद इमरजेंसी सेवाओं को बुलाया।

सैन डिएगो शेरिफ विभाग के लेफ्टिनेंट निक बैकोरिस के अनुसार, पास में पैदल यात्रा कर रहे एक डॉक्टर ने फोन करके कहा, मैंने समुद्र तट पर लोगों को सीपीआर करते हुए देखा है, मैं उस तरफ भाग रहा हूं।

भारत के विदेश मंत्रालय ने क्या कहा- इस घटना को लेकर विदेश मंत्रालय की तरफ से भी एक्स पर पोस्ट किया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, आज सुबह सैन डिएगो, कैलिफोर्निया के तट से दूर टोरी पाइंस स्टेट बीच के पास एक नाव पलटने की दुखद घटना के बारे में जानकर हमें बहुत दुख हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार, इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, नौ लापता हो गए और चार घायल हो गए।

पोप वाली तस्वीर के बाद ट्रंप की नई AI फोटो आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एआई के द्वारा बनाई गई तस्वीर ने एक बार फिर से नई चर्चा को जन्म दे दिया है। दरअसल, 4 मई को व्हाइट हाउस ने स्टार वार्स डे पर ट्रंप की एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वे लाल लाइटसैबर पकड़े हुए, जेडी की पोशाक पहने हुए, और गंजे ईगल और अमेरिकी झंडों से घिरे हुए हैं। ये तस्वीर सामने आने के बाद लोगों में चर्चा का विषय बन गई। ट्रंप की इस तस्वीर के सामने आने के बाद लोगों ने इसको जमकर शेयर किया है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने पोप के पोशाक में एक तस्वीर को साझा किया था, जिसने जमकर सुर्खियां बटोरीं।

फोटो के साथ लिखी गई ये बात- व्हाइट हाउस ने एक्स पर लिखा, सभी को 4 मई की शुभकामनाएं, जिसमें कट्टरपंथी वामपंथी पागल भी शामिल हैं जो सिथ लॉर्ड्स, मर्डरर्स, ड्रग लॉर्ड्स, खतरनाक कैदियों और जाने-माने रूस-13 गैंग के सदस्यों को हमारी आकाशगंगा में वापस लाने के लिए इतनी कड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। आप विद्रोही नहीं हैं - आप साम्राज्य हैं। 4 मई आपके साथ हो। माना जा रहा है कि पोस्ट का उद्देश्य ट्रंप को एक देशभक्त जेडी के रूप में प्रस्तुत करना था।

कभी भी हमला कर सकता है भारत, लेकिन..., पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ने अब क्या दी गीदड़ भभकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के संभावित हमले से पाकिस्तान में डर का माहौल है। इस बात को पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान से समझा जा सकता है।

उन्होंने सोमवार को दावा किया कि भारत कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से कभी भी हमला कर सकता है। जबकि रूस में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने भारत को परमाणु हमले की गीदड़ भभकी दी है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके देश पर हमला किया गया या उसके महत्वपूर्ण जल प्रवाह को बाधित किया गया तो पाकिस्तान परमाणु हथियारों समेत पूरी ताकत के साथ जवाब देगा। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब पहलगाम हमले के बाद परमाणु संपन्न दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव चरम पर है। उन्होंने इस्लामाबाद में पत्रकारों से कहा, ऐसी खबरें हैं कि भारत एलओसी से हमला कर सकता है। नई दिल्ली को इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा।

पोप का चुनाव शुरू, 71 देशों के 133 कार्डिनल लेंगे भाग; क्षेत्रीय प्राथमिकताओं का होगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए पोप के चुनाव के लिए बुधवार से कान्क्लेव शुरू होगी। ऐसा कोई नियम नहीं है कि कार्डिनल राष्ट्रीयता या क्षेत्र के हिसाब से मतदान करें, लेकिन भौगोलिक लिहाज से उनके दृष्टिकोण को समझने से उनकी प्राथमिकताएं पता चलती हैं। यही कारण है कि दुनियाभर के 140 करोड़ कैथोलिक के नए पोप का चुनाव भौगोलिक विविधता के लिहाज से ऐतिहासिक होगा।

71 देशों से प्रतिनिधित्व- फिलहाल 71 देशों में 80 वर्ष से कम उम्र के 135 कार्डिनल हैं, जिनमें से दो ने स्वास्थ्य कारणों के चलते मतदान से इन्कार कर दिया है। यानी अब 133 कार्डिनल चुनाव में पहुंचेंगे और बहुमत के लिए दो-तिहाई यानी 89 वोट की जरूरत होगी। इटली में सर्वाधिक 17 कार्डिनल हैं, जिसके बाद अमेरिका (10), ब्राजील (7), फ्रांस और स्पेन (5), अर्जेंटीना, कनाडा, भारत, पोलैंड और पुर्तगाल में चार-चार कार्डिनल हैं।

क्षेत्रवार आंकड़ों की स्थिति- अब इन्हें क्षेत्र के मुताबिक अलग किया जाए, तो वेटिकन के आंकड़ों के अनुसार, यूरोप के 53 कार्डिनल हैं और एक के बीमार होने से मतदान में 52 हिस्सा लेंगे। इसके बाद एशिया से 23, अफ्रीका के 18 में एक की खराब तबीयत के बाद 17, दक्षिण अमेरिका के 17, उत्तरी अमेरिका के 16, मध्य अमेरिका के चार और ओसियनिया के चार कार्डिनल हैं।

भिन्न-भिन्न प्राथमिकताओं का असर - अब जैसे वेटिकन लिटर्गी ऑफिस के कार्डिनल की प्राथमिकताएं उलानबटार, मंगोलिया के आर्कबिशप से अलग होंगी। यूरोप के सैकड़ों पादरियों के जिम्मेदार कार्डिनल, युद्धग्रस्त सीरिया में वेटिकन का राजदूत या सरकारी हमले से जूझ रहे मानागुआ, निकारागुआ के चर्च के आर्कबिशप से बिल्कुल अलग प्राथमिकताएं रखता होगा।

रूस के कुर्स्क में यूक्रेन का हमला, तीन लोगों की मौत और 7 घायल

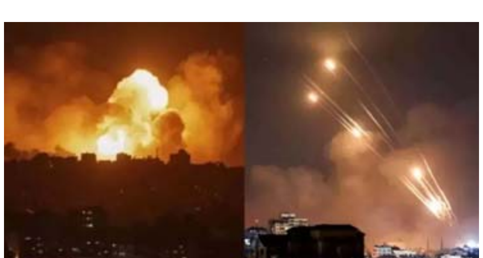

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध के बीच रूस-यूक्रेन के बीच में युद्ध जारी है। दोनों देश एक दूसरे के खिलाफ लगातार हमले कर रहे हैं। अब रूस के कुर्स्क क्षेत्र पर यूक्रेन के हमले में तीन लोग मारे गए, सात लोग घायल हुए है, क्षेत्रीय गवर्नर ने इसकी जानकारी दी है।

रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमलों की कोशिश की गई लेकिन रूस इन हमलों को रोकने में कामयाब रहा।यूक्रेन का ये हमला रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयान के बाद हुआ है।

हमें भविष्य में, व्लादिमीर पुतिन का बयान- दरअसल रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि रूस यूक्रेन युद्ध को एक सही निष्कर्ष तक ले जाने में सक्षम है। उन्होंने ये भी कहा उम्मीद है हमें भविष्य में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे पहले भी हमें इसकी आवश्यकता नहीं पड़ी है।

परमाणु हमले को लेकर पुतिन का जवाब - सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित फिल्म रूस, क्रेमलिन, पुतिन, 25 वर्ष में पुतिन से पत्रकार ने यूक्रेन युद्ध से परमाणु हमले के खतरे के बारे में कई सवाल किए। इस दौरान पुतिन ने यूक्रेन को लेकर कहा कि वे हमें भड़काना चाहते थे, ताकि हम गलतियां न करें।

अपनी बयानबाजी तो देखिए..., भारत के खिलाफ UNSC पहुंचे पाक को कड़ी फटकार; पहलगाम हमले में पूछा गया LeT कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान में तनाव चरम पर है। अब तिलमिलाए पाकिस्तान ने UNSC से बैठक की मांग की। पाकिस्तान के अनुरोध पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बंद कमरे में बैठक बुलाई गई थी।

बैठक का इस्तेमाल पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत के खिलाफ झूठ फैलाने और कश्मीर मुद्दे को उठाने के लिए किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने बैठक में पाकिस्तान से कई सवाल किए। संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान की झूठे झंडे की कहानी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इस मीटिंग का कोई ठोस नतीजा नहीं निकला।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाक से पहलगाम हमले में लश्कर-ए-तैयबा के शामिल होने को लेकर सवाल किया गया। बैठक में आतंकवादी हमले की व्यापक निंदा की गई और जवाबदेही की आवश्यकता को मान्यता दी गई।कुछ सदस्यों ने विशेष रूप से धार्मिक आस्था के आधार पर पर्यटकों को निशाना बनाए जाने का भी मुद्दा उठाया।

पाकिस्तान की परमाणु बयानबाजी पर जताई चिंता

कई सदस्यों ने चिंता व्यक्त की कि पाकिस्तान के मिसाइल परीक्षण और परमाणु बयानबाजी तनाव बढ़ाने वाले कारक थे। वहीं स्थिति का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के पाकिस्तान के प्रयास भी विफल रहे। पाकिस्तान को भारत के साथ द्विपक्षीय रूप से मुद्दों को सुलझाने की सलाह दी गई।

हमदर्दी बटोरने निकला था पाकिस्तान, बीच मीटिंग में हुई किरकिरी...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ चुका है। सरकार ने 7 मई को कई राज्यों में मॉक ड्रिल करवाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान सिविल डिफेंस से जुड़े लोगों को आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पाकिस्तान को डर है भारतीय सेना उसपर कभी भी हमला कर सकती है। पूरी दुनिया इस हमले की निंदा कर रहा है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान एक बार फिर बेनकाब हो गया है।

सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी पहलगाम हमले पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि इस हमले के लिए जो जिम्मेदार हैं, उन्हें उचित सजा मिले।

यूएनएससी सदस्यों ने पाक से पूछे तीखे सवाल - इसी बीच पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी मीटिंग बुलवा ली ताकि दुनिया के ताकतवर देश भारत पर दबाव बनाएं कि वो पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई न करे। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि आपात बैठक में उसे यूएनएससी के सदस्य देशों से सहानुभूति मिलेगी, लेकिन ये दांव उल्टा पड़ गया।

संयुक्त राष्ट्र में सेवा दे चुके और कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बैठक की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को इस बैठक से अच्छे परिणाम की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मीटिंग में पाकिस्तान से कई तीखे सवाल पूछे गए, जिसकी पाकिस्तान को उम्मीद नहीं थी।

गौरव गोगई की पत्नी का पाकिस्तानी सेना से रिश्ता...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते लगातार खराब हो रहे हैं। इसी बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगई की पत्नी एलिज़ाबेथ कोलबर्न पर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि एलिज़ाबेथ के पाकिस्तानी सेना के साथ काफी अच्छे संबंध हैं।

असम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि एलिज़ाबेथ 19 बार पाकिस्तान की यात्रा कर चुकी हैं और पाकिस्तानी सेना के अधिकारी खुद पड़ोसी मुल्क में उनका शानदार स्वागत करते हैं।

हिमंत विस्वा सरमा ने क्या कहा- प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि, ÷वो पाकिस्तान में काम करती हैं और फिर दिल्ली स्थित एक हृतह्व में काम करने आ जाती हैं। इसके बावजूद उनकी सैलरी पाकिस्तान से आती है।

हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद पर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि गौरव गोगोई खुद निजी तौर पर पाकिस्तान गए और वहां 15 दिन बिताकर लौटे थे। उनके साथ उनकी पत्नी भी गईं थीं, लेकिन वो 7 दिन बाद ही वापस आ गईं थीं। हालांकि, गोगोई अगले 7 दिन तक पाकिस्तान में ही रहे।

एयर इंडिया की तेल अवीव के लिए उड़ाने 8 मई तक रद, एयरपोर्ट के पास मिसाइल हमले के बाद कंपनी का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया की तेल अवीव के लिए उड़ानें अब आठ मई तक निलंबित रहेंगी। विमानन कंपनी ने सोमवार की देर शाम इसकी घोषणा की। पहले छह मई तक इजरायली शहर और भारत के बीच अपनी उड़ानें निलंबित करने का निर्णय लिया था।

यह कदम तेल अवीव में एयरपोर्ट के पास मिसाइल हमले के बाद उठाया गया था। एअर इंडिया ने रविवार को अपनी विमान सेवाओं को मंगलवार तक के लिए निलंबित करने की घोषणा की थी। उस समय दिल्ली से तेल अवीव जा रही उसकी एक उड़ान को तेल अवीव के एयरपोर्ट के पास मिसाइल हमले के कारण अबू धाबी की ओर मोड़ना पड़ा था।

एक हफ्ते में तेल अवीव की होती हैं पांच उड़ानें - *एअर इंडिया सामान्य रूप से तेल अवीव के लिए सप्ताह में पांच उड़ानें संचालित करती हैं। एअर इंडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, तेल अवीव के लिए जाने और वहां से आने वाली हमारी उड़ानें आठ मई तक निलंबित रहेंगी।

एयरलाइन कंपनी ने कहा कि हमारी टीमें प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने में सहायता कर रही हैं। आठ मई तक की यात्रा के लिए वैध टिकट रखने वाले यात्रियों को पुनर्निर्धारण शुल्क पर एक बार की छूट या रद कराने पर पूर्ण धन वापसी की सुविधा दी जाएगी।

प्रतिष्ठित वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय अधिवक्ता बने भुवन ऋभु

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता व अधिवक्ता भुवन ऋभु को वर्ल्ड लॉ कांग्रेस में वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन ने प्रतिष्ठित 'मेडल ऑफ ऑनर' पुरस्कार से सम्मानित किया। भुवन ऋभु यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाले पहले भारतीय अधिवक्ता हैं। इस वर्ल्ड लॉ कांग्रेस में 70 देशों के 1500 से ज्यादा विधिक क्षेत्र के दिग्गजों व 300 वक्ताओं ने हिस्सा लिया, जहां दुनिया की इस सबसे पुरानी ज्यूरिस्ट एसोसिएशन ने कानूनी हस्तक्षेपों और जमीनी लामबंदियों के जरिए बच्चों और उनके अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में दो दशक से जारी संघर्षों और उपलब्धियों के लिए भुवन ऋभु को सम्मानित किया। यह कांग्रेस डोमिनिकन रिपब्लिक में 4 से 6 मई के बीच संपन्न हुई।

60 से ज्यादा पीआईएल पर ऐतिहासिक फैसले- वर्ष 1963 में स्थापित वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन दुनिया के विधिवेत्ताओं की सबसे पुरानी संस्था है जिसने न्याय के शासन की स्थापना में अपने योगदान के लिए विंस्टन चर्चिल, नेल्सन मंडेला, रूथ बेडर गिन्सबर्ग, स्पेन के राजा फेलिप षष्टम्, रेने कैसिन और कैरी कैनेडी जैसी ऐतिहासिक हस्तियों को सम्मानित किया है। भुवन ऋभु के सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में दायर 60 से ज्यादा जनहित याचिकाओं के नतीजे में कई ऐतिहासिक फैसले आए हैं जिसने देश में बाल अधिकार व बच्चों की सुरक्षा का पूरा परिदृश्य बदल दिया है। वे वैश्विक विस्तार की ओर अग्रसर नागरिक समाज संगठनों के दुनिया के सबसे बड़े कानूनी हस्तक्षेप नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के संस्थापक हैं। उत्तर प्रदेश में जेआरसी के 23 सहयोगी संगठन बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण और 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए राज्य के 40 जिलों में काम कर रहे हैं।

अवैध खनन मामलाः कर्नाटक के पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी समेत 3 को सात साल की सजा; 14 साल बाद आया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओबुलापुरम माइनिंग कंपनी (ओएमसी) अवैध खनन मामले में कर्नाटक के पूर्व मंत्री और विधायक गली जनार्दन रेड्डी और तीन अन्य को दोषी ठहराया गया है। विशेष सीबीआई अदालत ने मंगलवार को सभी को सात साल की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

अदालत द्वारा फैसला सुनवाए जाने के तुरंत बाद सीबीआई ने रेड्डी और अन्य को हिरासत में ले लिया। सीबीआई अदालत ने यह फैसला लगभग 14 साल बाद सुनाया है।

सीबीआई ने रेड्डी और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, जिसमें उन पर खनन पट्टे की सीमा चिह्नों के साथ छेड़छाड़ करने और कर्नाटक-आंध्र प्रदेश सीमा पर बेल्लारी रिजर्व वन क्षेत्र में अवैध रूप से खनन करने का आरोप लगाया गया था।

वहीं, सीबीआई मामलों के प्रधान विशेष न्यायाधीश टी रघु राम ने पूर्व मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी और पूर्व नौकरशाह बी कृपानंदम को मामले में बरी कर दिया। अदालत ने जनार्दन रेड्डी के साढ़ू और ओएमसी के प्रबंध निदेशक श्रीनिवास रेड्डी (ए1) और तत्कालीन खान एवं भूविज्ञान सहायक निदेशक वीडी राजगोपाल (ए3) तथा रेड्डी के निजी सहायक महफूज अली खान (ए7) को दोषी ठहराया।

अवैध खनन से सरकारी खजाने को पहुंचा था नुकसान- अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि 2007 से 2009 के बीच अवैध खनन से सरकारी खजाने को 884 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सीबीआई ने 3 दिसंबर, 2011 को रेड्डी, जो खनन कंपनी के निदेशक भी हैं, श्रीनिवास रेड्डी, राजगोपाल, दिवंगत आर लिंगा रेड्डी और ओएमसी (ए4) के खिलाफ मामले में पहला आरोप पत्र और उसके बाद तीन पूरक आरोप पत्र दायर किए थे।

इसे कहते हैं मुंह की खाना... भारत के खिलाफ NSC पहुंचे पाक की हो गई फजीहत, पहलगाम हमले पर पूछे गए कठिन सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अस्थाई सदस्य होने के नाते पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बंद कमरे में बैठक बुला तो ली लेकिन इसका नतीजा कुछ ऐसा नहीं हुआ जैसा पाकिस्तान की सरकार चाहती थी। असलियत में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि से ही कुछ तीखे सवाल किये गये।

पाक से पूछे गए कठिन सवाल- चीन को छोड़ कर यूएनएससी के स्थाई अन्य चारों सदस्यों (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और फ्रांस) ने यहीं कहा कि आतंकवाद का मुद्दा बहुत ही गंभीर है। इस संदर्भ में आतंकी संगठनों को प्रश्रय देने को लेकर भी पाकिस्तान से सवाल पूछे गये।

बैठक के बाद यूएनएससी ने दोनों पक्षों को आपस में बातचीत कर मौजूदा तनाव दूर करने का सुझाव दिया। हालांकि, बैठक के बाद पाकिस्तान के आसीम इख्तियार अहमद ने प्रेस कांफ्रेंस करके भारत के खिलाफ खूब भड़ास निकाली है।

पाकिस्तान की हुई फजीहत- कूटनीतिक सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान ने बैठक में भारत के साथ अभी जो तनावपूर्ण स्थिति है उसके लिए पूरी तरह से भारत को जिम्मेदार ठहराया। यह भी बताया गया कि भारत इस घटना की आड़ में युद्ध भड़काने की तैयारी में है। इस तर्क को कई स्थाई व अस्थाई सदस्यों ने स्वीकार करने से इन्कार कर दिया।

कुछ सदस्यों ने यह भी कहा कि पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या के दोषियों को जिम्मेदार ठहराना और उन पर न्यायोचित कार्रवाई करना बेहद जरूरी है।

कुछ सदस्यों ने पहलगाम में धार्मिक पहचान के आधार पर हत्या करने पर अपना रोष जताया। पाकिस्तान ने जिस तरह से लगातार मिसाइल परीक्षण कर रहा है, इस बैठक में यह मुद्दा भी उठाया गया।

कश्मीर का नाम बार बार पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने लिया, जिस पर कुछ सदस्यों ने टिप्पणी की कि यह दोनों देशों के बीच का मामला है और इन्हें आपसी विमर्श से ही सुलझाना चाहिए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण नवमी

संपादकीय

रविंद्रनाथ टैगोर को संपूर्ण विश्व में एक महान व्यक्तित्व के रूप में याद किया जाता है

रविंद्रनाथ टैगोर को आज भी भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में एक महान कवि, उपन्यासकार ,कथाकार, नाटककार, संगीतकार और चित्रकार के रूप में याद किया जाता है उनका साहित्य उनके व्यक्तित्व के अनुरूप जीवन के सभी क्षेत्रों में उभरकर सामने आया। वे साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम एशियाई व्यक्ति थे।

विश्व साहित्य के प्रकाश पुंज रवीन्द्रनाथ ठाकुर का जन्म कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरवाडी में सात मई 1861 को अपने माता-पिता की चौदहवीं संतान के रूप में हुआ था । पिता देवेंद्रनाथ ठाकुर,ब्राह्मण समाज के बड़े नेता थे । यह परिवार कोलकाता का एक संपन्न और प्रतिष्ठित परिवार था । माता का नाम शारदा देवी था। जमींदार होने के कारण इन्हें ठाकुर कहा जाता था।अंग्रेजों को ठाकुर बोलने में परेशानी होती थी,तो उन्होंने ठाकुर का अपभ्रंश टैगोर कर दिया जो आज तक प्रचलन में है। माता का निधन बाल काल में ही हो गया था इसलिए परवरिश घर के नौकरों की देखभाल में हुई। प्रारंभिक शिक्षा कोलकाता के ओरियंटल सेमिनरी स्कूल में और घर पर नियुक्त शिक्षक की देखरेख में हुई । बालक रविन्द्र नाथ उस समय की स्कूली शिक्षा पद्धति से संतुष्ट नहीं हुए इसलिए स्कूल छोड़ दिया। इसी समय कोलकाता में महामारी फैलने के कारण इन्हें बोलपुर भेज दिया गया। बोलपुर गांव में जाने पर उन्हें खुला प्राकृतिक वातावरण मिल गया । जिससे उनकी काव्य रचना में निखार आया ।

सितंबर 1878 को अपने बड़े भाई सत्येंद्रनाथ के साथ शिक्षा के लिए इंग्लैंड गए।लंदन में कानून की पढ़ाई के लिए ब्रिजस्टोन पब्लिक स्कूल में एडमिशन ले लिया पर उसे पूरा करने से पूर्व ही 1880 में भारत वापस आ गए। उनका मन वहां पर नहीं लगा। 22 वर्ष की उम्र में आपका विवाह मृणालिनी नाम की 11 वर्षीय कन्या से हो गया।उनके विवाह समारोह में राष्ट्र गान वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय भी आए थे। तभी रविन्द्र नाथ की प्रतिभा को देखकर उन्होंने कहा था यह साहित्य के आकाश का उदीयमान नक्षत्र है।

आठ वर्ष की आयु में उन्होंने अपनी पहली काव्य रचना का सृजन किया था। शुरुआत में वह पारिवारिक पत्रिका भारती और बालक के लिए शिशु गीत ,कविताएं ,कहानियां ,नाटक , लघु उपन्यास आदि लिखने लगे। साधना नामक पत्रिका में लगभग 20 वर्षों तक उनके विचार कविताएं, लेख, कहानी, उपन्यास छपते रहे। इस बीच द्वारा लंदन जाकर उन्होंने अपने ज्ञान को बढ़ाया। कुछ समय बाद पुनः भारत आ गए द्य इस समय तक रविन्द्रनाथ टैगोर लेखक के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुके थे परंतु पिताजी के कहने पर अपने बीवी बच्चों सहित सियालदह चले गए।जहां पर उनकी जमींदारी थी द्य उनका गाँव गंगा और ब्रह्मपुत्र के संगम पर स्थित है और गांव में दूर-दूर तक जाने के लिए नौका में जाना पड़ता था। इस प्रकार जल विहार में उनका प्राकृतिक प्रेम और भी ज्यादा विकसित हुआ। इनकी आत्मा से कविता का झरना फूट पड़ा। जमींदार के रूप में अपने गांव के गरीब और निर्धन लोगों की सहायता की। इसी समय उन्होंने बाल कहानी डाकपाल और प्रसिद्ध रचना काबुलीवाला की भी रचना की द्य

1901 में अपने दो पुत्रों रविथीन्द्रनाथ और शर्मीन्द्रनाथ तथा पांच विद्यार्थियों के साथ अपने पिता के द्वारा स्थापित किए गए शांतिनिकेतन में एक विद्यालय की स्थापना की द्य इस विद्यालय का नाम ब्रह्मचर्य आश्रम रखा द्य रविंद्रनाथ को खुले वातावरण हरियाली और पेड़ों के नीचे शिक्षा देना और प्राप्त करना बड़ा अच्छा लगता था।

रबीन्द्रनाथ ठाकुर

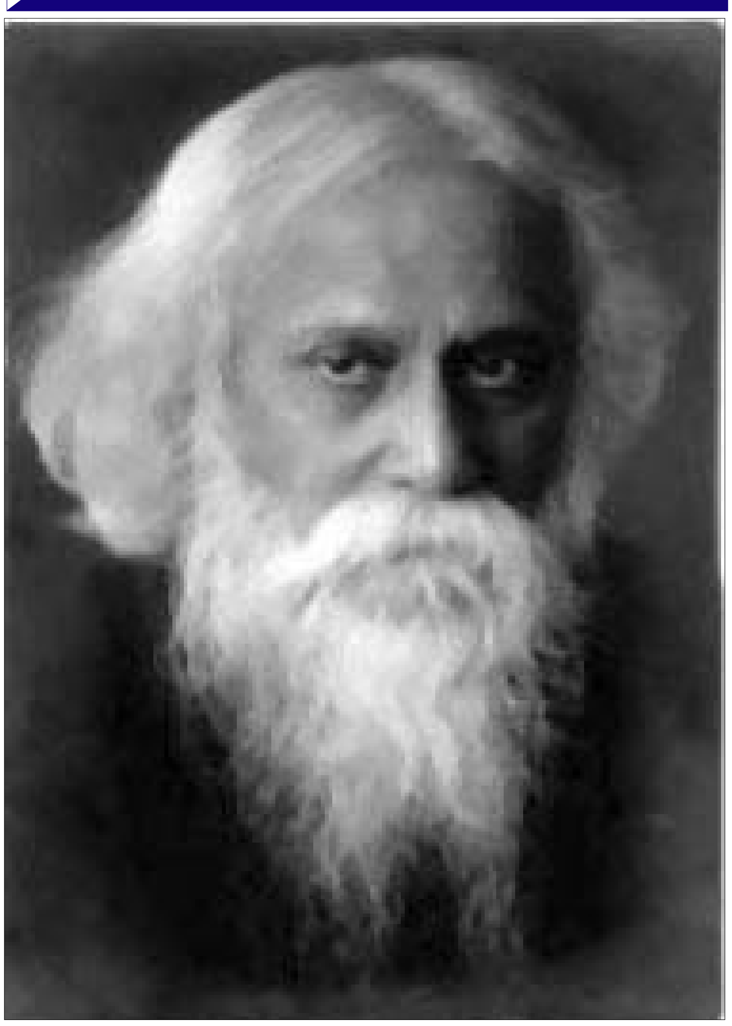

रबीन्द्रनाथ ठाकुर अथवा रबींद्रनाथ टैगोर एक बांग्ला कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार और चित्रकार थे। भारतीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ रूप से पश्चिमी देशों का परिचय और पश्चिमी देशों की संस्कृति से भारत का परिचय कराने में टैगोर की बड़ी भूमिका रही तथा आमतौर पर उन्हें आधुनिक भारत का असाधारण सृजनशील कलाकार माना जाता है।

जीवन परिचय

रबीन्द्रनाथ ठाकुर का जन्म 7 मई, 1861 कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) में देवेंद्रनाथ टैगोर और शारदा देवी के पुत्र के रूप में एक संपन्न बांग्ला परिवार में हुआ था। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री टैगोर सहज ही कला के कई स्वरूपों की ओर आकृष्ट हुए जैसे- साहित्य, कविता, नृत्य और संगीत।

दुनिया की समकालीन सांस्कृतिक रुझान से वे भली-भाँति अवगत थे। साठ के दशक के उत्तरार्ध में टैगोर की चित्रकला यात्रा शुरू हुई। यह उनके कवित्य सजगता का विस्तार था। हालांकि उन्हें कला की कोई औपचारिक शिक्षा नहीं मिली थी उन्होंने एक सशक्त एवं सहज दृश्य शब्दकोश का विकास कर लिया था। श्री टैगोर की इस उपलब्धि के पीछे आधुनिक पाश्चात्य, पुरातन एवं बाल्य कला जैसे दृश्य कला के विभिन्न स्वरूपों की उनकी गहरी समझ थी।

शिक्षा

रबीन्द्रनाथ टैगोर की स्कूल की पढ़ाई प्रतिष्ठित सेंट ज़ेवियर स्कूल में हुई। टैगोर ने बैरिस्टर बनने की चाहत में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन पब्लिक स्कूल में नाम दर्ज कराया। उन्होंने लंदन कॉलेज विश्वविद्यालय में क़ानून का अध्ययन किया लेकिन 1880 में बिना डिग्री हासिल किए ही वापस आ गए। रबीन्द्रनाथ टैगोर को बचपन से ही कविताएँ और कहानियाँ लिखने का शौक़ था। उनके पिता देवेन्द्रनाथ ठाकुर एक जाने-माने समाज सुधारक थे। वे चाहते थे कि रबीन्द्र बडे होकर बैरिस्टर बनें। इसलिए उन्होंने रबीन्द्र को क़ानून की पढ़ाई के लिए लंदन भेजा। लेकिन रबीन्द्र का मन साहित्य में ही रमता था। उन्हें अपने मन के भावों को काग़ज़ पर उतारना पसंद था। आख़िरकार, उनके पिता ने पढ़ाई के बीच में ही उन्हें वापस भारत बुला लिया और उन पर घर-परिवार की ज़िम्मेदारियाँ डाल दीं। रबीन्द्रनाथ टैगोर को प्रकृति से बहुत प्यार था। वे गुरुदेव के नाम से लोकप्रिय थे। भारत आकर गुरुदेव ने फिर से लिखने का काम शुरू किया।

रचनाएँ

रबीन्द्रनाथ ठाकुर एक बांग्ला कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार और चित्रकार थे। जिन्हें 1913 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। टैगोर ने बांग्ला साहित्य में नए गद्य और छंद तथा लोकभाषा के उपयोग की शुरुआत की और इस प्रकार शास्त्रीय संस्कृत पर आधारित पारंपरिक प्रारूपों से उसे मुक्ति दिलाई। धर्म सुधारक देवेन्द्रनाथ टैगोर के पुत्र रबींद्रनाथ ने बहुत कम आयु में काव्य लेखन प्रारंभ कर दिया था। 1870 के दशक के उत्तरार्ध में वह इंग्लैंड में अध्ययन अधूरा छोड़कर भारत वापस लौट आए। भारत में रबींद्रनाथ टैगोर ने 1880 के दशक में कविताओं की अनेक पुस्तकें प्रकाशित की तथा मानसी (1890) की रचना की। यह संग्रह उनकी प्रतिभा की परिपक्वता का परिचायक है। इसमें उनकी कुछ सर्वश्रेष्ठ कविताएँ शामिल हैं, जिनमें से कई बांग्ला भाषा में अपरिचित नई पद्य शैलियों में हैं। साथ ही इसमें समसामयिक बंगालियों पर कुछ सामाजिक और राजनीतिक व्यंग्य भी हैं।

दो-दो राष्ट्रगानों के रचयिता रवीन्द्रनाथ टैगोर के पारंपरिक ढांचे के लेखक नहीं थे। वे एकमात्र कवि हैं, जिनकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं- भारत का राष्ट्र-गान जन गण मन और बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान आमार सोनार बांग्ला गुरुदेव की ही रचनाएँ हैं। वे वैश्विक समानता और एकांतिकता के पक्षधर थे। ब्रह्मसमाजी होने के बावजूद उनका दर्शन एक अकेले व्यक्ति को समर्पित रहा। चाहे उनकी ज़्यादातर रचनाएँ बांग्ला में लिखी हुई हों। वह एक ऐसे लोक कवि थे जिनका केन्द्रीय तत्त्व अंतिम आदमी की भावनाओं का परिष्कार करना था। वह मनुष्य मात्र के स्पन्दन के कवि थे। एक ऐसे कलाकार जिनकी रगों में शाश्वत प्रेम की गहरी अनुभूति है, एक ऐसा नाटककार जिसके रंगमंच पर सिर्फ़ ट्रेजडी ही ज़िंदा नहीं है, मनुष्य की गहरी जिजीविषा भी है। एक ऐसा कथाकार जो अपने आस-पास से कथालोक चुनता है, बुनता है, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि घनीभूत पीड़ा के आवृत्ति करे या उसे ही अनावृत करे, बल्कि उस कथालोक में वह आदमी के अंतिम गंतव्य की तलाश भी करता है।

सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ

सियालदह और शजादपुर स्थित अपनी ख़ानदानी जायदाद के प्रबंधन के लिए 1891 में टैगोर ने 10 वर्ष तक पूर्वी बंगाल (वर्तमान बांगला देश) में रहे, वहाँ वह अक्सर पद्मा नदी (गंगा नदी) पर एक हाउस बोट में ग्रामीणों के निकट संपर्क में रहते थे और उन ग्रामीणों की निर्धनता व पिछड़ेपन के प्रति टैगोर की संवेदना उनकी बाद की रचनाओं का मूल स्वर बनी। उनकी सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ, जिनमें दीन-हीनों का जीवन और उनके छोटे-मोटे दुख वर्णित हैं, 1890 के बाद की हैं और उनकी मार्मिकता में हल्का सा विडंबना का पुट है। जो टैगोर की निजी विशेषता है तथा जिसे निर्देशक सत्यजित राय अपनी बाद की फ़िल्मों में कुशलतापूर्वक पकड़ पाए हैं।

गल्पगुच्छ की तीन जिल्दों में उनकी सारी चौरासी कहानियाँ संग्रहीत हैं, जिनमें से केवल दस प्रतिनिधि कहानियाँ चुनना टेढ़ी खीर है। 1891 से 1895 के बीच का पाँच वर्षों का समय रवीन्द्रनाथ की साधना का महान् काल था। वे अपनी कहानियाँ सबुज पत्र (हरे पत्ते) में छपाते थे। आज भी पाठकों को उनकी कहानियों में हरे पत्ते और हरे गाछ मिल सकते हैं। उनकी कहानियों में सूर्य, वर्षा, नदियाँ और नदी किनारे के सरकंडे, वर्षा ऋतु का आकाश, छायादार गाँव, वर्षा से भरे अनाज के प्रसन्न खेत मिलते हैं। उनके साधारण लोग कहानी खत्म होते-होते असाधारण मनुष्यों में बदल जाते हैं। महान्ता की पराकाष्ठा छू आते हैं। उनकी मूक पीड़ा की करुणा हमारे हृदय को अभिभूत कर लेती है।

उनकी कहानी पोस्टमास्टर इस बात का सजीव उदाहरण है कि एक सच्चा कलाकार साधारण उपकरणों से कैसी अद्भुत सृष्टि कर सकता है। कहानी में केवल दो सजीव साधारण-से पात्र हैं। बहुत कम घटनाओं से भी वे अपनी कहानी का महल खड़ा कर देते हैं। एक छोटी लड़की कैसे बड़े-बड़े इंसानों को अपने स्नेह-पाश में बाँध देती हैं। क़ाबुलीवाला भी इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। रवीन्द्रनाथ ने पहली बार अपनी कहानियों में साधारण की महिमा का बखान किया।रवीन्द्रनाथ की कहानियों में अपढ़ क़ाबुलीवाला और सुसंस्कृत बंगाली भूत भावनाओं में एक समान हैं। उनकी क़ाबुलीवाला, मास्टर साहब और पोस्टमास्टर कहानियाँ आज भी लोकप्रिय कहानियाँ हैं-लोकप्रिय और सर्वश्रेष्ठ भी और बनी रहेंगी। उनकी कहानियाँ सर्वश्रेष्ठ होते हुए भी लोकप्रिय हैं और लोकप्रिय होते हुए भी सर्वश्रेष्ठ हैं।

अपनी कल्पना के पात्रों के साथ रवीन्द्रनाथ की अद्भुत सहानुभूतिपूर्ण एकात्मकता और उसके चित्रण का अतीव सौंदर्य उनकी कहानी को सर्वश्रेष्ठ बना देते हैं जिसे पढ़कर द्रवित हुए बिना नहीं रहा जा सकता। उनकी कहानियाँ फ़ौलाद को मोम बनाने की क्षमता रखती हैं।

अतिथि का तारापद रवीन्द्रनाथ की अविस्मरणीय सृष्टियों में है। इसका नायक कहीं बँधकर नहीं रह पाता। आजीवन अतिथि ही रहता है। क्षुधित पाषाण, आधी रात में (निशीथे) तथा मास्टर साहब प्रस्तुत संग्रह की इन तीन कहानियों में दैवी तत्त्व का स्पर्श मिलता है। इनमें पहली क्षुधित पाषाण में कलाकार की कल्पना अपने सुंदरतम रूप में व्यक्त हुई है।

क्या होता है आईपीओ का मतलब? समझें इससे जुड़ी सभी टर्म के मीनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार खुद में ही एक बहुत टर्म है। शेयर बाजार के बीएसई और एनएसई में शेयर्स की खरीदारी और बिकवाली (बेचना) का काम होता है। ये बाजार भी दो तरह के होते हैं। इनमें प्राइमरी और सेकेंडरी मार्केट शामिल हैं।

हमें से कई सेकेंडरी मार्केट से वाकिफ है, लेकिन प्राइमरी बाजार के बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं। अक्सर ये गलतफहमी रहती है कि शेयर बाजार के बीएसई और एनएसई में हम खरीदारी कंपनी के साथ कर रहे हैं। जो कि पूरी तरह से गलत है।

किसी कंपनी के शेयर सेकेंडरी मार्केट में प्रवेश करने से पहले लंबा सफर तय करती है। कंपनी शेयर बाजार में प्रवेश करने के लिए पहले आईपीओ प्राइमरी मार्केट में लॉन्च करती है। लेकिन आईपीओ लॉन्च करने से पहले कंपनी को सेबी (शेयर बाजार नियंत्रित करने वाली संस्था) से एनओसी लेना पड़ेगा।

क्या होता है आईपीअ- आईपीओ को Initial Public Offering कहा जाता है। कोई भी कंपनी शेयर बाजार में प्रवेश के अपना आईपीओ लॉन्च करती है। ये आईपीओ प्राइमरी मार्केट में लॉन्च किए जाते हैं। इसे प्राइस बैंड के आधार पर लॉन्च किया जाता है।

प्राइस बैंड- प्राइस बैंड वे रेंज है, जिस कीमत पर कंपनी अपना आईपीओ निकालती है। वहीं अलॉटमेंट के समय उस कीमत पर शेयर्स मिलते हैं, जिस रेंज में निवेशकों ने सबसे ज्यादा बोली लगाई हो। ओवरसब्सक्रिप्शन से बचने के लिए आप सबसे ज्यादा कीमत पर ही बोली लगाए।

ओवरसब्सक्रिप्शन- ओवरसब्सक्रिप्शन की स्थिति तब होती है, जब कंपनी ने जितने शेयर्स या आईपीओ निकाले हो। मांग उससे ज्यादा की आ जाए।

लॉट साइज- इसका अर्थ है कि किसी भी निवेशक को आईपीओ खरीदने के लिए लॉट साइज के तहत बताए गए अमाउंट पर शेयर्स लेने होंगे। उदाहरण के लिए जैसे किसी कंपनी ने लॉट साइज 100 शेयर्स का रखा है। इसके एक आईपीओ या शेयर की कीमत 500 रुपये हैं। तो निवेशक को न्यूनतम 50,000 रुपये आईपीओ के तहत निवेश करने होंगे।

GMP यानी Grey Market में उस आईपीओ की कीमत जितनी चल रही होगी, उतना ही शेयर बाजार में भी वे अनुमानित लिस्ट हो सकता है।

35 प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान, वायर कंपनी के शेयर पर टूटे निवेशक, रॉकेट बना भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 4त्न से अधिक चढ़कर 6078 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, कंपनी के बोर्ड ने मंगलवार, 6 मई को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 35 रुपये डिविडेंड की घोषणा की। पॉलीकैब इंडिया ने छह सालों में अधिक डिविडेंड देने का ऐलान किया है। हालांकि, इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं हुआ है। यदि वार्षिक आम बैठक में सदस्यों द्वारा डिविडेंड को मंजूरी दे दी जाती है, तो वार्षिक आम बैठक की डेट से 30 दिनों के भीतर डिविडेंड का भुगतान किया जाएगा।

कंपनी ने आज जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे भी घोषित किए। इस घोषणा के बाद शेयर में दिन के उच्चतम स्तर पर उछाल आया है। पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में इसका रेवेन्यू 25% बढ़कर 6,985.7 करोड़ हो गया। पॉलीकैब का EBITDA पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 34.7% बढ़कर 1,025.7 करोड़ हो गया। मार्जिन पिछले साल की तुलना में 110 आधार अंकों की वृद्धि के साथ 14.7% हो गया। मजबूत टॉपलाइन ग्रोथ की बदौलत शुद्ध लाभ साल-दर-साल 35% बढ़कर 727 करोड़ हो गया।

मूडी रिपोर्ट का दावा, भारत-पाक विवाद से खतरे में है पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान भले ही भारत से लड़ाई करने को आतुर हो रहा हो, लेकिन भारत के साथ हल्की झड़प से ही उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह चौपट हो जाएगी। जबकि, भारत पर इसका न के बराबर असर पड़ेगा। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह बात कही है। मूडीज ने इसकी वजह भी गिनाई है।

पिछले महीने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते और खराब कर दिए हैं। भारत ने अब पाकिस्तान पर हमला करने की बात नहीं की है। लेकिन पाकिस्तान की ओर से बार-बार कहा जा रहा है कि भारत पाकिस्तान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है और पाकिस्तान मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है।

अब मूडीज ने पाकिस्तान और भारत के बीच झड़प होने पर किसे ज्यादा नुकसान होगा, इसका विश्लेषण अपनी रिपोर्ट में किया है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का होगा बुरा हाल- मूडीज ने कहा है कि पाकिस्तान और भारत के लिए सीमित सैन्य झड़प हो सकती है, लेकिन कोई व्यापक युद्ध होने की आशंका नहीं है। यदि ऐसा हुआ तो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार अगले कुछ वर्षों के लिए अपने बाहरी ऋण भुगतान की जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक राशि से काफी कम है।

वहीं, भारत को लेकर मूडीज ने कहा कि भारत में आर्थिक स्थितियां स्थिर हैं। यह तेज विकास दर और मजबूत सार्वजनिक निवेश और स्वस्थ निजी खपत से मजबूत हो रही है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सीमित लड़ाई से भारत की आर्थिक गतिविधि में बड़े व्यवधान की उम्मीद नहीं है क्योंकि पाकिस्तान के साथ उसके आर्थिक संबंध बहुत कम हैं।

क्या है SIP का 12+12+20 फॉर्मूला? आसान भाषा में समझें कैसे होता है इसका इस्तेमाल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड बेहतर रिटर्न के चलते निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर है। हालांकि इसमें मिलने वाला लाभ शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। म्युचुअल फंड में आप एसआईपी के जरिए आसानी से निवेश कर सकते हैं।

अगर आप भी हाल फिलहाल में एसआईपी में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं या निवेश करने के बाद कन्फ्यूज हैं कि कितने समय के लिए और कितना निवेश किया जाए, तो 12+12+20 फॉर्मूला आपके बड़े काम आ सकता है।

12+12+20 फॉर्मूला से आप एसआईपी निवेश से जुड़ा कन्फ्यूजन दूर कर सकते हैं। इस फॉर्मूला के तहत आपको इनकम का 12 फीसदी पैसा निवेश के लिए रखना चाहिए। तभी आपको बेहतर रिटर्न मिल सकता है। वहीं ये निवेश अमाउंट आपकी सेविंग और इमरजेंसी फंड को प्रभावित नहीं करेगा।

इसके अलावा म्यूचुअल फंड एसआईपी में न्यूनतम अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी होता है। ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। जिसका मतलब हुआ कि ये रिटर्न कम-ज्यादा भी हो सकता है। इसलिए पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करना जरूरी है।

यहां 20% फीसदी का अर्थ हुआ कि आपको म्यूचुअल फंड एसआईपी में 20 सालों तक निवेश करना पड़ेगा।

आरबीआई रेपो रेट में कटौती के बाद अब तक इन बड़े बैंकों ने लोन किए सस्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआई यानी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो रेट में अब तक 0.50 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती का डायरेक्ट असर बैंक लोन और फिक्स्ड डिपॉजिट में देखने को मिलता है। अब तक कई छोटे-बड़े बैंक ने रेपो रेट कम होने के बाद लोन ब्याज दर और एफडी रिवाइज किए हैं।

आज हम ऐसे दिग्गज सरकारी और प्राइवेट बैंकों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने रेपो में कटौती के बाद लोन ब्याज दर कम किए हैं। इनमें एसबीआई, एचडीएफसी, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक इत्यादि शामिल हैं। चलिए इनके बारे में एक-एक करके जानते हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया देश का सबसे बड़ा बैंक है। आज इस बैंक की ब्रांच गांव से लेकर शहर हर जगह मौजूद है। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में कटौती के बाद एसबीआई बैंक ने लोन ब्याज दर में कटौती का फैसला किया है।

एसबीआई की वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार लोन ब्याज दर में 0.25 फीसदी की गिरावट की गई है। बैंक ने अपना नया रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट 8.25 फीसदी तय किया है। वहीं ईबीएलआर को 8.9 फीसदी रखा गया है। ये घटी हुई लोन ब्याज दर 15 अप्रैल से प्रभावित हो चुकी है।

पंजाब नेशनल बैंक - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बाद दिग्गज सरकारी बैंक पीएनबी (पंजाब नेशनल बैंक) ने भी लोन ब्याज दर कम किया है। पंजाब नेशनल बैंक ने नया त्रत्नत्न8.65 फीसदी रखा है। पहले बैंक का त्रत्नत्न 8.9 फीसदी था। पहले बैंक का ब्याज दर 9.1 फीसदी था, जो अब 8.85 रखा गया है।

एचडीएफसी बैंक - सरकारी बैंक के अलावा कई दिग्गज प्राइवेट बैंक भी अपना लोन ब्याज दर कम कर चुके हैं। इनमें से एक एचडीएफसी बैंक भी है। एचडीएफसी बैंक ने अपने एमसीएलआर रेट में कटौती की है। ये एमसीएलआर अलग-अलग अवधि के अनुसार अलग-अलग तय की गई है।

अगर कोई व्यक्ति एचडीएफसी बैंक से होम लोन लेता है, तो उसका ब्याज दर 8.7 फीसदी से 9.55 फीसदी होगा। हालांकि ये आपके इनकम और क्रेडिट स्कोर पर भी निर्भर करता है।

इंडियन ओवरसीज बैंक- इंडियन ओवरसीज बैंक ने लोन ब्याज दर 9.05 फीसदी से घटाकर 8.7 फीसदी कर दिया है।

इस सरकारी बैंक का सुस्त रहा प्रॉफिट, शेयर बेचने की मची होड़, 10% हुआ क्रैश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पब्लिक सेक्टर के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने आज मंगलवार को चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए। मार्च तिमाही में पब्लिक सेक्टर के बैंक का नेट प्रॉफिट 3 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 5,048 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने मंगलवार को जनवरी-मार्च, 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना शेयर बाजार को दी। एक साल पहले की समान तिमाही में बैंक ने 4,886 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। इस बीच, बैंक के बोर्ड मेंबर ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए शेयरधारकों को दो रुपये फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर पर 8.35 रुपये का डिविडेंड देने की सिफारिश की है। बैंक के शेयर आज 10त्न से अधिक गिर गए और 221.95 रुपये पर आ गए थे।

बीओबी ने कहा कि आलोच्य तिमाही में उसकी कुल आय एक साल पहले के 33,775 करोड़ रुपये से बढ़कर 35,852 करोड़ रुपये हो गई।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

इंदौर बैतूल हाईवे के कलवार घाट पर दो बसों में भिड़ंत, 45 से ज्यादा घायल, एक की मौत

देवास। इंदौर बैतूल नेशनल हाईवे पर सड़क हादसों के लिहाज से डेंजर जोन में शामिल कलवार घाट में मंगलवार दोपहर एक चार्टर्ड बस व एक अन्य यात्री बस के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक-दो अन्य वाहन भी चपेट में आ गए। जोरदार टक्कर के बाद दोनों बसों में सवार 45 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को कन्नौद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया जो चार्टर्ड बस का ड्राइवर कमलेश निवासी खातेगांव बताया जा रहा है।

इसके अलावा गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों का प्राथमिक उपचार करके इंदौर रेफर किया जा रहा है। वहीं अधिकांश यात्रियों को सामान्य चोट आई है जिनमें से कुछ को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। बड़ी दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद क्षेत्रीय विधायक आशीष शर्मा कन्नौद के सरकारी अस्पताल पहुंचे और घायलों की स्थिति जानी व उपचार की व्यवस्था देखी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कन्नौद सौम्या जैन के अनुसार एक व्यक्ति की मृत्यु की पुष्टि हुई है। चार से पांच गंभीर रूप से घायल है जिनको रेफर किया जा रहा है। इसके अलावा 17 से 18 अन्य यात्रियों का कन्नौद के अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मध्य प्रदेश में पेंशन कार्यालय में स्टाफ घटाया जाएगा, कैबिनेट का फैसला

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी जिलों में जो पेंशन कार्यालय हैं वहां के स्टाफ को कम कर जाएगा। एक केंद्रीय प्रकोष्ठ बनाया जाएगा। दरअसल , पेंशनर्स की संख्या कम होती जा रही है और स्टाफ अधिक है। ऑनलाइन व्यवस्था होने के कारण इस स्टाफ का उपयोग अन्यत्र किया जाएगा।

पचमढ़ी शहर की भूमि जो वन विभाग दावा करता था कि हमारी है, उसे राजस्व विभाग को देने का निर्णय लिया गया। सुप्रीम कोर्ट में चल रहे प्रकरण में हुए आदेश के मद्देनजर निर्णय लिया गया है। इससे अब क्षेत्र में विकास की गतिविधियां तेज हो सकेंगे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि पचमढ़ी को पर्यटन के नक्शे पर तेजी से उभरने में इस निर्णय से मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक के पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रदेश में इस बार अभी तक 81 लाख टन गेहूं का समर्थन मूल्य पर आठ लाख से अधिक किसानों से उपार्जन किया जा चुका है। जिन किसानों ने स्लाट बुकिंग कर ली है, उनसे नौ मई तक गेहूं लिया जाएगा। अभी तक किसानों को 16500 करोड रुपए का भुगतान कर दिया गया है ओलंपिक विजेता टीम के सदस्य को जिस तरह प्रदेश में एक करोड रुपए की सम्मान निधि दी जाती है वैसी ही उन दिव्यांग खिलाड़ियों को भी दी जाएगी जिन्होंने पैरा ओलंपिक में पदक प्राप्त किए हैं।

ऐसे प्रदेश के दो खिलाड़ी हैं। अभी 50 लाख रुपए दिए जाते थे, जिसे बढ़ाकर एक करोड रुपए करने का निर्णय कैबिनेट की बैठक में लिया गया है।

PCC में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की बैठक में बनी रणनीति, वक्फ बिल के विरोध में अभियान चलाएगी

भोपाल। कांग्रेस मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी वक्फ बिल को लेकर लगातार विरोध दर्ज कर रही है। सोमवार को पीसीसी में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की बैठक में आगे की रणनीति तैयार की गई। बैठक में तय किया गया कि वक्फ संशोधन बिल के विरोध में अब कांग्रेस भी जन जागरूकता अभियान चलाएगी। बैठक में मप्र कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की बैठक में पूर्व विधायक हमीद काजी और,द्वृष्टट अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी निजाम कुरैशी के साथ एमपी कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शेख अलीम और सभी जिलों के अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष और प्रदेश पदाधिकारी मौजूद थे। संविधान बचाओ अभियान के संबंध में चर्चा

शेख अलीम ने बताय कि बैठक का प्रमुख उद्देश्य वक्फ संशोधन विधेयक एवं संविधान बचाओ अभियान के संबंध में चर्चा एवं आगामी रणनीति तय करना रहा। बैठक में प्रदेश के समस्त जिलों के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्षों एवं प्रदेश पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही। उन्होने कहा कि अभी पहलगाम में जो घटना हुई। उस घटना पर बीजेपी को एक दिन भी हिन्दू-मुस्लिम करने का मौका नहीं मिला और हमारा अल्पसंख्यक समाज मैदान में आया। आतंकवाद और पहलगाम में हुए घिनौने कृत्य के विरोध में पूरे प्रदेश में अल्पसंख्यक समाज ने पुतले जलाए। उसकी एक अलग ही पूरे प्रदेश में बात पहुंची कि हिन्दुस्तान का मुसलमान अपने देश और हिंदू भाईयों के साथ है। गंगा-जमुनी तहजीब के साथ है। ये वो लोग हैं जब हिन्दुस्तान पाकिस्तान अलग हो रहे थे तो छोड़कर नहीं गए।हिन्दू मुसलमान एक होकर लड़ेंगे लड़ाई

शेख अलीम ने बताय कि यह बैठक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा एवं संविधान की मूल आत्मा को बनाए रखने की दिशा में एक सशक्त पहल के रूप में आयोजित की गई, जो आगामी समय में संगठनात्मक कार्यशैली को और अधिक सुदृढ़ करेगी। उन्होने कहा कि हिन्दू मुसलमान एक होकर इस देश में किसानों बेरोजगारों की लड़ाई लड़ेंगे। चाहे आतंकवाद के खिलाफ हो या गलत कृत्य, भ्रष्टाचार के खिलाफ हम मिलकर आवाज उठाएंगे।

RTI का जवाब देने के बदले मांगे 4 हजार, लोकायुक्त ने महिला कर्मी को रिश्वत लेते पकड़ा

जबलपुर। सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांग रहे आवेदक से रिश्वत मांगना महिला कर्मी को भारी पड़ गया। आवेदक ने रिश्वत की शिकायत लोकायुक्त से की, जिसके बाद मंगलवार को लोकायुक्त ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय में पदस्थ महिला कर्मी को 4 हजार रुपये रिश्वत लेते धर लिया।

लोकायुक्त डीएसपी नीतू त्रिपाठी ने बताया कि 2 मई को शिकायतकर्ता राकेश विश्वकर्मा ने एसपी लोकायुक्त को लिखित शिकायत देते हुए बताया था कि सीएमएचओ कार्यालय में उसने एक आरटीआई के तहत आवेदन लगाया था, जिसमें कुछ कर्मचारियों की पदस्थापना संबंधी जानकारी मांगी थी। लोकायुक्त ने रंगेहाथ पकड़ा

इस दौरान उसकी सीएमएचओ कार्यालय के आरटीआई शाखा में पदस्थ विनीता विलियम से मुलाकात हुई, जिन्होंने जानकारी देने के बदले पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की। बातचीत में 4 हजार रुपए में वह मान गई। लोकायुक्त ने शिकायत की पड़ताल कराने के बाद विनीता विलियम को रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ लिया।

शहडोल की सौम्या तिवारी और हिना देवी ने हासिल किया प्रदेश की मेरिट में स्थान

शहडोल। शहडोल जिला मुख्यालय के पुलिस लाइन में स्थित ज्ञानोदय स्कूल के दो बच्चों ने 12वीं में प्रदेश की मेरिट में स्थान हासिल किया है। इस स्कूल की हिना देवी पुत्री धम्मू बंजारा ने 12वीं कक्षा में कला संकाय से प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं।इसी स्कूल की सौम्या तिवारी पुत्री शैलेश तिवारी ने प्रदेश की मेरिट में आठवां स्थान हासिल किया है।

सौम्या तिवारी के पिता प्राइवेट जॉब करते हैं और मां गृहिणी है जबकि हिना देवी के पिता धम्मू बंजारा सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। सौम्या तिवारी और हिना देवी प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हैं और इसके लिए उन्होंने अभी से लक्ष्य तय कर लिया है। ज्ञानोदय स्कूल के संचालक अजय सिंह एवं प्राचार्य रेखा सिंह ने इन दोनों बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। स्कूल परिसर में खुशी का माहौल है वहीं इन बच्चों के माता-पिता भी काफी खुश है।

सौम्या तिवारी का कहना है कि वह मोबाइल के माध्यम से भी पढ़ाई करती थी लेकिन इंस्टाग्राम फेसबुक तथा व्हाट्सएप आदि से काफी दूर हैं। वही हिना देवी भी सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखती हैं।

दसवीं की प्रदेश की मेरिट सूची में सरस्वती स्कूल के वैभव नवे नंबर पर शहडोल जिले के बुढार स्थित सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र वैभव कुमार सिंह पिता सतपाल सिंह ने प्रदेश की मेरिट में कक्षा दसवीं में नौवां स्थान हासिल किया है।

मंदिर स्थापना के 10 वर्ष, श्री धरणीधर पार्श्वनाथ भगवान जिनालय में ध्वजारोहण, पूजन , सैकड़ो समाजजन की सहभागिता

जीवन में परिवर्तन लाना है तो समर्पण और एकाग्रचित आदर का भाव जरुरी

इंदौर । जिनवाणी के प्रति आदरभाव, समर्पण व एकाग्रचित्तता भाव पालन करके ही अपने जीवन में परिवर्तन लाय सकता है। हम अपने शरीर के लिए संसार की भौतिक सुविधाएं कितनी भी जुटा लें लेकिन एक दिन यह शरीर राख ही जाना है। संसाररूपी इस सागर से एक जिनवाणी (भक्ति) पर अमल करने वाला ही तिर सकता है ।

यह बात आज छोटा बांगड़दा स्थित हाईलिंक सिटी में आयोजित धर्म सभा में श्रावक श्राविकाओं को सम्बोधित करते हुए पूज्य विजय पीयूष भद्र सुरीश्वरजी महाराज साहब ने कही। आज महाराज श्री के सान्निध्य में कल्पतरू धाम स्थित श्री धरणीधर पार्श्वनाथ मंदिर के दसवें स्थापना वर्ष व ध्वजारोहण के अवसर

पर विधिपूर्वक धार्मिक क्रियाएं संपन्न हुई, सुबह 7से 12 तक हुए इस आयोजन में सैकड़ो की संख्या में समाज जन पहुंचे। ध्वजा रोहण का मंदिर ट्रस्ट से जुड़े विजय मेहता ने किया। मातृ हृदय परम पूज्य गुरुवर्या अमित गुणा श्रीजी महाराज साहब की प्रेरणा से निर्मित पार्श्व कल्प तरु धाम हाई लिंक सिटी स्थित श्री धरणीधर पार्श्वनाथ भगवान जिनालय के वार्षिक उत्सव परमुख्य शिखर पर ध्वजा आरोहण में विजयजी, रोहन जी, रोहित मेहता ने सैकड़ो भक्तों की उपस्थिति में किया

देव, देवीजी की देहरी के शिखर पर पालरेचा, कोठारी, खबिया, मोगरा, सुराणा, डोसी परिवार ने ध्वजा आरोहण कियापूज्य विजय पीयूष भद्र सुरीश्वरजी ने मांगलिक एवम् शांति पाठ के साथ प्रवचन मैं ध्वजा के महत्व के बारे में समझाया। महाराज श्री ने जिन आज्ञा , जिन पूजा के महत्व बताया कहा हमें परमात्मा के बताए हुए मार्ग पर चलते हुए अपना जीवन यापन करना है, इसी से सच्चा सुख समृद्धि प्राप्त होगी।

धरणीधर पार्श्वनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष पुंडरीक पालरेचा ने बताया कि पूज्य गुरुवर्या मातृ हृदय अमित गुणा श्रीजी के चातुर्मास हाई लिंक सिटी में होगाइस अवसर पर कल्पक शाह, टीनू जैन, दिलीप खिमेसरा, अर्पित मारू, दीपक सुराणा,सुरेश लोढ़ा,अनिल महाराजा उपस्थित थे। अतिथि स्वागत शान्तु पालरेचा ने किया।

संचालन शेखर गेलड़ा ने किया। आभार विशाल बम ने माना । 2000 से ज्यादा लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

दशहरा मैदान पर रोजगार मेला 11 मई को

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार जिले के कुशल, अकुशल, शिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार मेले का आयोजन 11 मई रविवार को प्रातः 10 बजे से दशहरा मैदान पर किया जायेगा। मेले में 10 हजार से अधिक युवाओं के सम्मिलित होने तथा रोजगार देने हेतु 100 से अधिक कम्पनियों के शामिल होना संभावित हैं। मेले में आई.टी., रिटेल, ई-कामर्स, बी.पी.ओ. कंसलटेन्सी, फार्मा, फिनटेक, सेल्स, मार्केटिंग, अकाउंटिंग, रियल स्टेट, फायनेन्स आदि कम्पनियां रहेगी।

रोजगार मेले में पंजीयन हेतु युवाओं को गुगल फार्म या क्यूआर कोर्ड से पंजीयन कराना होगा जो निःशुल्क रहेगा। युवाओं को अपने साथ अपने साथ बायोडाटा, फोटो, पहचान पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण-पत्र साथ में लाना अनिवार्य है। रोजगार आयुक्त, नगर पालिक निगम, इन्दौर के निर्देशन में उक्त मेला स्थल पर की जाने वाली व्यवस्था के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने विभिन्न व्यवस्थाओं के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किये है।

जारी आदेशानुसार एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक श्री हिमांशु प्रजापति को नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। रोजगार व स्वरोजगार देने हेतु कम्पनियों से समन्वय एवं पंजीयन कंपनियों पर बुलवाना तथा स्टॉल आवंटन का दायित्व उप संचालक जिला उद्योग श्री पी.एस. मण्डलोई को सौंपा गया है।

चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की अनंतिम वरिष्ठता सूची जारी

इंदौर। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग इन्दौर द्वारा विभागीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की अनंतिम वरिष्ठता सूची प्रकाशित की गई है। जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि उक्त सूची कलेक्टर कार्यालय के जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास कार्यालय में देखी जा सकती है। अनुरोध किया गया है कि इस सूची का अवलोकन कर लिया जाये, उक्त सूची में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की जानकारी यदि त्रुटिपूर्ण है तो वे कर्मचारी अपने दावे-आपत्ति प्रमाण सहित 10 दिवस में कार्यालय में प्रस्तुत करें। अवधि के पश्चात दावे-आपत्ति अप्राप्त होने की दशा में सूची को सही मानकर अंतिम सूची जारी की जायेगी।

प्रकरण श्रम न्यायालय को सौंपने के आदेश

इंदौर। श्रम विभाग के अपर आयुक्त ने सेवानियुक्त श्री बालमुकुन्द यादव पिता जगन्नाथ यादव एवं सेवानियोजक प्रबंधक/संचालक सालासर आटोहॉस प्रोबाईकिंग प्रायवेट लिमिटेड इंदौर के मध्य उत्पन्न विवाद को औद्योगिक विवाद माना है। उन्होंने यह प्रकरण अधिनिर्णय के लिये श्रम न्यायालय इंदौर को सौंपने के आदेश जारी किये है।

इंदौर जिले में अनुसूचित जाति के युवाओं को रोजगार के लिये दिया जायेगा 10 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का लोन

जिले में इस वर्ष होंगे 362 युवा लाभान्वित

इंदौर। राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जाति के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत अनुसूचित जाति के युवाओं को उद्योग, व्यवसाय तथा सेवा ईकाई स्थापना के लिये 10 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का लोन दिया जायेगा। जिले में इस वर्ष इन योजनाओं के लक्ष्य प्राप्त हो गए हैं। जिले में इस वर्ष तीन विभिन्न योजनाओं में 362 युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य शासन के मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिये संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना तथा सावित्री बाई फूले स्व. सहायता समूह योजना क्रियान्वित की जा रही है। जिले में इस वर्ष संत रविदास स्वरोजगार योजना में 100 युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना में एक लाख रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक उद्योग परियोजनाओं के लिये एवं एक लाख रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक का लोन, सेवा ईकाई एवं खुदरा व्यवसाय हेतु प्रदान किया जायेगा। योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राही की उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच तथा न्यूनतम योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक नहीं होना चाहिये। वित्तीय सहायता ब्याज अनुदान वितरित/शेष ऋ्रण पर 5 प्रतिशत की दर से अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित रूप से ऋ्रण भुगतान की शर्त पर देय होगा।

इसी तरह डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना में 240 युवाओं को लाभान्वित करना का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना में पात्र हितग्राही को 10 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की राशि सेवा ईकाई एवं खुदरा व्यवसाय हेतु प्रदान की जायेगी।

महिला पॉलीटेक्निक कालेज में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर। राज्य शासन के तकनीकी शिक्षा संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश के समस्त पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया हेतु पंजीयन 30 अप्रैल से प्रारंभ कर दिया गया है। पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों में अर्हकारी परीक्षा 10वीं के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती विजया शिन्दे द्वारा बताया गया कि ऐसे उम्मीदवार भी पंजीयन कर सकते है जो सत्र 2024-2025 में 10वीं कक्षा की परीक्षा में शामिल हुए है एवं जिनका परीक्षा परिणाम अभी जारी नहीं हुआ है। ऐसे उम्मीदवार यदि प्रवेश के लिये अपना रजिस्ट्रेशन कराते है तो उन्हें परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद कांउसलिंग पोर्टल पर परीक्षा परिणाम का विवरण दर्ज कर काउंसलिंग प्रक्रिया को पूर्ण करना आवश्यक होगा।

अभ्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने में मदद के लिये सभी शासकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में हेल्प सेंटर स्थापित किए गए हैं। प्राचार्य श्रीमती विजया शिंदे द्वारा बताया गया समस्त पाठ्यक्रम एआईसीटीई, आरजीपीवी एवं काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर से संबद्ध हैं। शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में अनेक रोजगार मूलक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में छात्राओं को प्रवेश मिलेगा। वर्तमान में संस्थान में चार डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, फैशन टेक्नोलॉजी, आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाईन एवं होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी संचालित किया जा रहा है। इन सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, आयुक्त तकनीकी शिक्षा संचालनालय भोपाल द्वारा ऑनलाइन आयोजित की जा रही है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 01 जून 2025 है। यह इंदौर जिले का एकमात्र शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय है जो कि न्यूनतम शिक्षण शुल्क 10 हजार रुपए मात्र प्रतिवर्ष पर छात्राओं को विभिन्न रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम उपलब्ध करवा रहा है।

पूर्व सैनिक सम्मेलन का आयोजन 9 मई को इंदौर में

इंदौर। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय इंदौर द्वारा पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं तथा आश्रितों के लिए पूर्व सैनिक सम्मेलन का आयोजन 9 मई 2025 को प्रातः 11:30 बजे से किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शहर के जयरामपुर कालोनी स्थित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में संपन्न होगा। इस सम्मेलन में शामिल सभी पूर्व सैनिकों, उनके परिवारजनों एवं आश्रितों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, कल्याणकारी गतिविधियों एवं प्रशासनिक जानकारी से अवगत कराया जाएगा। इसके साथ ही सम्मेलन में समस्याओं का निराकरण भी किया जायेगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नागेश चंद्र मालवीय (से.नि.) ने बताया कि यह सम्मेलन सभी पंजीकृत पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

समग्र आईडी का आधार से ईकेवायसी कराने वाले नागरिकों को ही मिलेगा शासकीय योजना/सुविधाओं का लाभ

इंदौर। शासन के निर्देशानुसार व्यवस्था लागू की गई है कि समग्र आईडी का आधार से ईकेवायसी कराने वाले नागरिकों को ही शासकीय योजनाओं/सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। समग्र आईडी की ईकेवायसी नहीं कराने वाले नागरिकों को किसी भी शासकीय योजनाओं/ सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा। समग्र से आधार ई केवायसी का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में पिछले एक सप्ताह में 46 हजार 258 हितग्राहियों के समग्र आई डी की ईकेवायसी की गई है। बताया गया कि जिले में कुल 68 लाख से अधिक समग्र आईडी बनी हुई है। इनका ईकेवायसी के माध्यम से सत्यापन होना है। यह सत्यापन आधार कार्ड के माध्यम से ईकेवायसी के द्वारा हो रहा है। अभी तक 21 लाख से अ?धिक समग्र आईडी सत्यापित की जा चुकी है। इंदौर नगर निगम क्षेत्र में 53 लाख 48 हजार 494 समग्र आईडी में से 13 लाख 52 हजार 539 समग्र आईडी सत्यापित हो चुकी है। इसी तरह नगर परिषद क्षेत्रों में 3 लाख 39 हजार 342 समग्र आईडी में से एक लाख 39 हजार 426 समग्र आईडी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 11 लाख 22 हजार 230 समग्र आईडी में से 6 लाख 12 हजार 857 समग्र आईडी का सत्यापन किया जा चुका है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में अभियान चलाकर ईकेवायसी के माध्यम से समग्र आईडी का सत्यापन हो रहा है।

डिजिटल प्रशासन की ओर नये कदम

जिले के सरकारी कार्यालयों में लागू हुई ई-ऑफिस व्यवस्था

इंदौर। डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए प्रशासनिक कार्यप्रणाली को पूरी तरह ऑनलाइन करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में आज सोमवार से जिले के शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू कर दी गई है। यह व्यवस्था लागू होने के बाद से समस्त फाइलों का संचालन डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाएगा। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि ई-ऑफिस के माध्यम से न केवल कामकाज में पारदर्शिता आएगी, बल्कि फाइलों के निपटारे की

गति भी बढ़ेगी। अब किसी भी फाइल की स्थिति रियल टाइम में जानी जा सकेगी। इससे कार्यालयों में अनावश्यक देरी और कागजी कार्यवाही में लगने वाला समय भी बचेगा।

ऐसी रहेगी ई-ऑफिस व्यवस्था- कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समय सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर. पी. अहिरवार, एडीएम श्री रोशन राय, अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामोर तथा श्री राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक हिन्दकुश

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सरकारी विद्यालयों के छात्रों द्वारा मेरिट लिस्ट में स्थान बनाया गया साथ ही सरकारी स्कूलों के छात्रों द्वारा किया गया बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में उल्लेखनीय प्रदर्शन

कु. सुहानी प्रजापति, कु. पयोजा पाटिल,कु आरूषि चौबे,कु आयुषी भटनागर, श्री साहित्य सेन, कु. मनस्वी विटनेरकर ने राज्य की मेरिट सूची में स्थान बनाकर बढ़ाया जिले का मान

उज्जैन । माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा विगत फरवरी-मार्च 2025 में सम्पन्न हाईस्कुल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा का परिणाम 6 मई मंगलवार को माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन डॉ मोहन यादव द्वारा घोषित किया गया। उज्जैन जिलें का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम गत् वर्ष 60.00 प्रतिशत था जो इस वर्ष 80.57 प्रतिशत रहा इस प्रकार जिले में गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 20.57 प्रतिशत अधिक रहा है।

इस वर्ष उज्जैन जिले में शासकीय विद्यालयों में कक्षा 10वीं में कुल दर्ज 7649 विद्यार्थियों में से 7567 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है। जिनमें उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या 6027 है। इनमें से प्रथम श्रेणी में 4058 द्वितीय श्रेणी में 1557 तृतीय श्रेणी में 22 उर्तीण हुए है। जिलें द्वारा किए गए अकादमिक प्रयासों को सभी प्राचार्यों एवं शिक्षकों ने क्रियान्वित कर यह उपलब्धि अर्जित की है। यह परीक्षाफल विगत् कई वर्षो का सर्वश्रेष्ठ परीक्षाफल है। कक्षा 10 वी की राज्य मेरिट में उज्जैन के शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. माधवनगर की छात्रा कु. सुहानी प्रजापति पिता श्री उत्तम प्रजापति (497/500) ने चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं संतमीरा कन्या उ.मा.वि की छात्रा कु. पयोजा पाटिल पिता श्री मनोज पाटिल (492/500)ने नौंवा स्थान, दसवां स्थान कालीदास मांटेसरी उ.मा.वि की छात्रा कु आरूषि चौबे पिता श्री मनस्वी चौबे (491/500) एवं शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. माधवनगर की छात्रा कु आयुषी भटनागर पिता श्री ओमप्रकाश भटनागर (491/500) ने प्राप्त कर जिले को गौरव दिलाया है।

कक्षा 10वीं के परीक्षाफल में शत् प्रतिशत परीक्षाफल देने वाले 25 विद्यालयों में हायर सेकेण्डरी सांदिपनी विद्यालय तराना, घिनोदा, कालूहेडा, जहांगीरपुर, अजडावदा एवं हाईस्कूल बान्दरबेला, देवासगेट, बघेरा, नलवा, बमनापाती, चिकली, बुरानाबाद, असावता, आसेर, नजरपुर, दौतलगंज नं.2, भीलखेडा, नौगांवा, बर्डिया, सोडंग, आमला, लोटियाजुनार्दा, एरवास, गोलवा, झितरखेडी सम्मिलित है।

उज्जैन जिले का कक्षा 12वीं का परिणाम गत्वर्ष 73.19 प्रतिशत था जो इस वर्ष 79.99 प्रतिशत रहा। गत्वर्ष की तुलना में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस वर्ष उज्जैन जिले में शासकीय विद्यालयों में कक्षा 12वीं में कुल दर्ज 5898 विद्यार्थियों में से 5775 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है। जिनमें उर्तीण विद्यार्थियों की संख्या 4763 है। इनमें से प्रथम श्रेणी में 3400 द्वितीय श्रेणी में 1216 तृतीय श्रेणी में 03 उर्तीण हुए है। कक्षा 12वीं की वाणिज्य समूह की राज्य मेरिट में वाणिज्य समूह में दसवां स्थान श्री साहित्य सेन पिता श्री देवेन्द्र कुमार सेन (481/500) आदित्य बिड़ला उ.मा.वि., नागदा, उज्जैन, जीव विज्ञान समूह में छठवां स्थान कु. मनस्वी विटनेरकर पिता श्री प्रकाश विटनेरकर (478/500) वर्जिन मेरी उ.मा.वि., फ्रीगंज उज्जैन ने प्रदेश में प्राप्त कर जिले को गौरव दिलाया है।

मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर संघ का संभागीय सम्मेलन का आयोजन हुआ

उज्जैन। दशहरा मैदान स्थित होटल सुराना पैलेस मे पुलिस पेंशनर्स संघ उज्जैन द्वारा संभागीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश से संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। अध्यक्ष प्रमोद सिंह भदौरिया एवं प्रांतीय मीडिया प्रभारी अखिलेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम शुरू करने से पहले मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवम दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह परिहार, प्रांतीय कार्यकारिणी अध्यक्ष एसपीएस चौहान, सेवानिवृत्ति एडिशनल एसपी एनके तिवारी डीएसपी प्रवीण सिंह ठाकुर, रवि शंकर मिश्रा, आरके श्रीवास्तव उपस्थित थे।संभागीय सम्मेलन मे संगठन को आगे बढ़ाने को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की गई और कार्यक्रम के दौरान संगठन की वित्तीय वर्षो आयव्यय कालेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया ओर मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा पेंशनर्स को समय पर महंगाई राहत प्रदान नहीं की जाने के संबंध में अगली आंदोलन धरना प्रदर्शन की रणनीति पर विचार कियामंचासीन अतिथियों के द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए व संगठन के प्रतिअपनी निष्ठा व्यक्त की कार्यक्रम में 75 वर्ष से ऊपर आए पूरी करने वाले पुलिस पेंशनर्स दुपट्टा पगड़ी पहनकर स्वागत सम्मान किया गया। इस दौरान उज्जैन सहित इंदौर, देवास, शाजापुर, मंदसौर, नीमच, रतलाम, अगर एवं अन्य जिलों के सदस्यों ने संभागीय सम्मेलन मे भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी बीके खंडेलवाल ने किया और आभार प्रांतीय उपाध्यक्षयोगेंद्र सिंह सेंगर नमाना।

नवीन मंडल कार्य कारणी का स्वागत किया

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी उज्जैन नगर के शहीद राजाभाऊ महाकाल मंडल की नवीन कार्यकारणी का स्वागत सम्मान कार्यक्रम भाजपा लोकशक्ति कार्यालय पर आयोजित किया गया। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन जी यादव जी की अनुशंसा एवम नगर जिला अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल जी , नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव जी , नगर जिला उपाध्यक्ष श्री मुकेश यादव जी , श्री आनंद खींची जी , श्री उमेश सेंगर जी , मंडल अध्यक्ष श्री मुकेश पोरवाल जी की गरिमामय उपस्थिति में नवनियुक्त मंडल पदाधिकारियों

प्रदेश के मल्लखंब खिलाड़ी पुन: देश में सिरमौर

उज्जैन। बिहार में 4 से 15 मई तक चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मध्य प्रदेश के पुरुष खिलाड़ियों ने इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त कर चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। मध्य प्रदेश टीम की स्वर्णिम उपलब्धि पर प्रदेश के खेल मंत्री श्री विश्वास सारंग एवं सह संचालक श्री बी. एस. यादव ने मोबाइल पर खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों से चर्चा कर उनकी हौसला अफजाई के साथ ही व्यक्तिगत चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

बिहार के गया जिले में 5 मई से प्रारंभ खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मध्य प्रदेश के पुरुष खिलाड़ियों सर्वश्री देवेन्द्र पाटीदार, यतीन कोरी, युवराज घाटगे, नीरज कछावा,जयंत राठौड़ एवं दक्ष कहार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 123.60 अंक के साथ स्वर्ण पदक, महाराष्ट्र टीम ने 122.50 अंक के साथ रजत पदक तथा छत्तीसगढ़ टीम ने 122.05 अंक के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया। टीम ने यह उपलब्धि द्रोणाचार्य अवॉर्डी योगेश मालवीय के उत्कृष्ट मार्गदर्शन में प्राप्त की है। इस अवसर पर असिस्टेंट डायरेक्टर खेल एवं युवा कल्याण प्रदीप अस्तेया, विक्रम एवं विश्वामित्र अवॉर्डी डॉ आशीष मेहता, टीम मैनेजर संतोष राठौड़, प्रशिक्षक चंद्रशेखर चौहान, भारत सिंह बांधेवाल, शिवांश कौशल, श्वेता चौहान एवं राष्ट्रीय अंपायर दर्शनी त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित थी। मध्यप्रदेश मल्लखंब टीम की गौरवमई उपलब्धि पर खेल मंत्री श्री विश्वास सारंग, खेल संचालक श्री राकेश कुमार गुप्ता, असिस्टेंट डायरेक्टर श्री बी. एस. यादव एवं मध्यप्रदेश मल्लखंब एसोसिएशन के किशोरी शरण श्रीवास्तव ने टीम को शुभकामनाएं दी है।

जिंदगी को आह! आह! के साथ नहीं वाह! वाह! के साथ जिएं - राष्ट्रसंत श्री ललित प्रभ जी

उज्जैन। राष्ट्रसंत श्री ललितप्रभ सागर जी महाराज ने कहा कि इस जिंदगी को हम भुनभुनाते हुए नहीं गुनगुनाते हुए जीएं। अपने जीवन का पहला मूलमंत्र इसे बना लें कि मैं यह जीवन आह... आह... करके नहीं वाह... वाह... कहते जीऊंगा। जब भी हम वाह... कहते हैं तो यही जिंदगी हमारे लिए स्वर्ग बन जाती है और जब हम आह.. . कहते हैं तो जिंदगी नर्क-सी हो जाती है। अगर हमारे लिए थाली में भोजन आया है तो शुक्रिया अदा करो देने वाले भगवान का, अन्न उपजाने वाले किसान का और घर की भागवान का। जरा कल्पना करें आज से 50 साल पहले लोगों के पास आज जैसा भौतिक सुख भले कम था पर सुकून बहुत था। उस वक्त जब सुकून बहुत था, तो आदमी बड़े चैन से सोता था। आज सुख है तो भी लोग पूरी रात चैन से सो नहीं पाते। आज आदमी की जिंदगी कैसी गजब की हो चुकी है, बेडरूम में एसी और दिमाग में हीटर।

संत प्रवर मंगलवार को श्री अवंति पार्श्वनाथ जैन तीर्थ मारवाड़ी समाज ट्रस्ट द्वारा अरविंद नगर के महा लोक परिसर में आयोजित दो दिवसीय प्रवचन माला के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा यह जीवन परम पिता परमात्मा का हमारे लिए दिया हुआ बहुत बड़ा वरदान है। यदि कोई मुझसे पूछे कि दुनिया में सबसे कीमती वस्तु क्या है तो मैं कहूंगा जीवन। हो सकता है दुनिया में सोना, चांदी, हीरा, माणक, मोती का मूल्य होता हो लेकिन जीवन है तो चांद-सितारों का और इन सबका मूल्य है। यदि जीवन ही नहीं तो इनका सबका मूल्य ही क्या। कल्पना करो कि जीवन नहीं हो तो हमारे लिए किस चीज का मूल्य है। जीवन के हर क्षण, हर पल को हमें आनंद-उत्साह से भर देना चाहिए, अगर प्रेम, आनंद-उल्लास, माधुर्य से जीना आ जाए तो आदमी मर कर नहीं जीते-जी स्वर्ग को पा सकता है।

उन्होंने कहा कि पत्थर में ही प्रतिमा छिपी होती है, जरूरत केवल उसे हमें तराशने की है। लगन, उमंग, उत्साह हो तो मिट्टी से मंगल कलश, बांस से बांसुरी बन जाती है। यह हमारी जिंदगी परम पिता परमेश्वर का दिया प्रसाद है, हम भी इसका सुंदर निर्माण कर सकते हैं। दिक्कत केवल यहीं है कि पानी, बिजली, गैस घर में आए तो उसका पैसा उसकी कीमत हमें लगती है, अगर जिंदगी आ गई तो उसकी हमें कोई कीमत नहीं लगती। बेकार में जाती बिजली, बेकार में जाती गैस और बेकार हो रहा पानी हमें खटकता है अगर जिंदगी का समय बीता जाए तो हमें वह खटकता नहीं। कोरोना काल ने लोगों को जीवन की सांसों की कीमत याद दिला दी, ऑक्सीजन और चंद सांसों की कीमत तब उसे पता चली। हमारे जीवन की एक-एक सांस किनती कीमती है। विश्व विजय पर निकला सिकंदर को जिंदगी की कीमत का पता तब चला जब जीवन के अंत समय में वह अपने पूरे साम्राज्य के बदले भी चंद सांसें नहीं खरीद सका। शरीर छोड़ने से पहले वह यह कह गया कि वो सिकंदर जिसने पूरी दुनिया को जीता था-वो अपनी ही जिंदगी से हार गया। ये जिंदगी फिर ना मिलेगी दोबारा। और फिर कब मिलेगी यह भी हमें पता नहीं। इन बंगलों, इन फार्म हाउसों, इन महलों की उम्र कितनी, आंख बंद करने जितनी। आंख बंद कब हो जाए, यह भी हमें पता नहीं।

दुनिया में हर आदमी तीन पेज की डायरी साथ लाता है राष्ट्संत ने जीवन के मर्म को सुगम-बोधगम्य शैली में समझाते हुए कहा कि दुनिया में हम जब आते हैं तो अपने साथ 3 पन्नों की डायरी लेकर आते हैं। जिसका का पहला और अंतिम पन्ना ऊपरवाला लिखता है। उस डायरी का पहला पन्ना है- जन्म। और आखिरी पन्ना है मृत्यु। उस डायरी का पहला और आखिरी पन्ना हमारे हाथ में नहीं है, केवल बीच का पन्ना हमारे हाथ है, जिसका नाम है जिंदगी।

उज्जैन के विशाल सिंह सोलंकी निभाएंगे मध्य प्रदेश के कोच की भूमिका

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे खेलो इंडिया यूथ गेम्स का उद्घाटन

उज्जैन। बिहार में आयोजित हो रहे 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में उज्जैन के कोच विशाल सिंह सोलंकी मध्य प्रदेश टीम की कोचिंग की ज़िम्मेदारी निभा रहे हैं। जिले से दो प्रतिभाशाली खिलाड़ी अशद खान और अल्तमस खान का चयन हुआ है। ओ.पी. हरोड़ खेल और युवा कल्याण अधिकारी, अरविंद जोशी पूर्व क्रीड़ा अधिकारी, ठाकुर शिव प्रताप सिंह चौहान, ठा. संजय सिंह बैस, शैलेन्द्र व्यास स्वामी मुस्कराके ने इस अवसर पर बच्चों को शुभकामनाएं दीं एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह आयोजन देशभर के उभरते हुए एथलीटों के लिए एक बड़ा मंच है, जिसमें वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। इस भव्य आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह में प्रतियोगिता के आधिकारिक लोगो और थीम गीत का अनावरण भी किया गया। उज्जैन जिले के लिए यह आयोजन विशेष महत्व रखता है, ये दोनों खिलाड़ी तलवार दांव, उर्मी ढाल एवं स्वक काइट जैसे पारंपरिक भारतीय युद्धकला इवेंट्स में हिस्सा लेंगे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com